RNI No. : DELBIL/2005/15122

D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21

विद्याभारती संकुल संवाद

मासिक पत्रिका

E-mail : vbsankulsamvad@gmail.com

वर्ष-15 | अंक 10 | सितम्बर 2019 | विक्रमी सं. 2076 | मूल्य : एक रुपया

विद्या भारती की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक सम्पन्न

देशभर से आए शिक्षाविदों ने किया शैक्षिक मंथन

विद्या निकेतन विद्यालय, हिरण मगरी, सेक्टर-4 (उदयपुर) में विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की तीन दिवसीय बैठक दिनांक 13 सितंबर से 15 सितंबर 2019 तक आहुत हुई। जिसका समापन दिनांक 15 सितंबर को हुआ।

समापन समारोह में विशिष्ट वक्ता के रूप में पधारे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह माननीय दत्तात्रेय जी होसबले का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। उन्होंने कहा कि विद्या भारती के शैक्षिक विषयों एवं प्रयोगों को समाज स्वीकार करे। विद्या भारती शिक्षा के क्षेत्र में एक राष्ट्रीय आंदोलन के नाते काम कर रहा है। 'नित्य नूतन चिर पुरातन' यह भारत की परंपरा रही है। शिक्षा के क्षेत्र में गुणात्मकता की दृष्टि से नए प्रयोगों को स्वीकार करने की मानसिकता बननी चाहिए।

माननीय काशीपति जी (राष्ट्रीय संगठन मंत्री) ने कहा कि विद्या भारती में दो प्रकार के कार्य हैं- एक विद्यालय गुणवत्तापूर्वक चले और भारतीय शिक्षा के मॉडल के रूप में समाज में स्थापित हों। दूसरा समाजोन्मुख कार्य पूर्वछात्र, संस्कृति बोध, विद्वत परिषद्, शोध, प्रचार विभाग, संपर्क विभाग, अभिलेखागार आदि इन विभागों के कार्यों से शिक्षा जगत को प्रभावित करना है।

अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय रामकृष्ण राव जी ने कहा कि शिक्षा जगत में परिवर्तन लाना हमारा लक्ष्य है, देशभर में आदर्श विद्यालय, एकल विद्यालय व संस्कार केन्द्रों की संख्या हम बढ़ाएंगे। देशभर में 'स्कूलिंग विद स्किलिंग' के बारे में समस्त शिक्षा जगत को विचार करने की आवश्यकता है।

कार्यकारिणी बैठक में पधारे 200 से अधिक कार्यकर्ता नई ऊर्या, नई उमंग, नया उत्साह के साथ अपने-अपने कार्य क्षेत्र को लौट गए। बैठक में शिक्षा जगत से जुड़ी 10 पुस्तकों का भी परिचय कराया गया।

कार्यक्रम आयोजित करने वाले प्रबंधकों, आचार्यों, छात्र-छात्राओं, अभिभावकों एवं पूर्वछात्रों का उत्साहवर्धन भी किया गया। वंदे मातरम् गायन के साथ बैठक समाप्त हुई।

विद्या भारती के छात्रों ने सुना (लाइव) प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का 'फिट इंडिया मूवमेंट' सम्बोधन

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के अंतर्गत चलने वाले विद्यालयों में छात्रों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर 'फिट इंडिया मूवमेंट' के संबोधन को सुनकर उसे अपने जीवन में उतारने का संकल्प लिया। विद्यार्थियों को जीवन में स्वस्थ (फिटनेस) एवं शारीरिक रूप से मजबूत रहने हेतु प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली स्थित इंदिरा गाँधी नेशनल स्टेडियम से पूरे देश को सम्बोधित किया। जिसका सीधा प्रसारण विद्यालयों में किया गया।

प्रधानमंत्री ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सर्वांगीण विकास के लिए शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रहना जरूरी है। बचपन के छोटे-बड़े खेल खेलने से शरीर मजबूत बनता है। पसीना बहाने से शरीर स्वस्थ रहता है। सरस्वती विद्या मंदिरों के छात्रों ने भी इस अवसर पर फिटनेस रहने का संकल्प लिया।

माँ, मातृभूमि और मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं - अवनीश भटनागर

8 सितम्बर। विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र द्वारा ''हिन्दी के प्रगामी प्रयोग और प्रचार-प्रसार के लिए प्रयास'' विषय पर राष्ट्रीय विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान के सचिव अवनीश भटनागर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. लालचंद गुप्त 'मंगल' ने की। गोष्ठी में उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, मध्य प्रदेश, झारखंड, हरियाणा, उड़ीसा आदि सात राज्यों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

गोष्ठी के मुख्य वक्ता अवनीश भटनागर ने कहा कि हिन्दुस्तान में, जहां की भाषा हिन्दी हो, वहां पर हिन्दी दिवस, हिन्दी सप्ताह या हिन्दी पखवाड़ा क्यों मनाना चाहिए? भारत के संविधान के अनुच्छेदों में वर्णन है कि देवनागरी लिपि में लिखी हुई हिन्दी संघ की राजभाषा होगी, सरकार के काम-काज की भाषा होगी। सरकार की जिम्मेदारी है कि देश की सभी भाषाओं का संरक्षण होना चाहिए। लेकिन क्या वर्ष में एक दिन, एक सप्ताह या एक पखवाड़े के लिए हिन्दी संरक्षण उचित है? उन्होंने कहा कि 1947 के बाद भारत की भाषाओं की प्रगति होनी चाहिए थी, लेकिन देश की भाषाएं मरनी शुरू हुईं। अतः भाषाओं के संरक्षण पर भी इस दृष्टि से विचार की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा कि जब लाल बहादुर शास्त्री, अटल बिहारी वाजपेयी, नरेन्द्र मोदी जाकर विश्व पटल पर हिन्दी में बात कर सकते हैं तो हिन्दी कोई कमजोर भाषा नहीं है, ऐसा मानने का हमारा मन क्यों नहीं है? उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि अक्सर पारिवारिक कार्यक्रमों में निमंत्रण पत्र अंग्रेजी भाषा में भेजे जाते हैं जबकि बहुत से अपेक्षित अतिथि को निमंत्रण में छपे शब्दों का अर्थ भी पता नहीं होता। उन्होंने कहा कि लोक भाषा में छुपे हुए मातृभाषा के तत्व को यदि हमने विस्मरण नहीं किया तो मातृभाषा के साथ न्याय कर सकेंगे। मां, मातृभूमि और मातृभाषा का कोई विकल्प नहीं हो सकता, इतना यदि हमें ध्यान में रहा तो ऐसे आयोजन करने की आवश्यकता शायद नहीं पड़ेगी।

कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए डॉ. हिम्मत सिंह सिन्हा ने कहा कि हिन्दी हमारे सम्मान की भाषा है। उन्होंने कहा कि अक्सर लोग हिन्दी का प्रयोग करने में संकोच करते हैं।

गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए डॉ. लालचंद गुप्त 'मंगल' ने कहा कि हिन्दी के प्रति उदासीनता का पूरा मामला 'नीति और नीयत' का है। हमारी नीति है कि देवनागरी में लिखित खड़ी बोली इस देश की राजभाषा होगी। उन्होंने कहा कि जिस दिन राष्ट्र प्रेम हममें जागेगा, हिन्दी स्वयं लागू हो जाएगी।

इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि हमारी भाषा के व्यवहार के प्रति हमारी जो दृष्टि है, हमारे अंदर जो हीनभावना है, इस सबसे मुक्त होकर हम विचरण करेंगे, अपनी भाषा में संवाद करेंगे तभी सही मायने में हिन्दी का विकास होगा।

प्रांतीय गणित कार्यशाला सम्पन्न

स्वामी विवेकानंद सरस्वती विद्या मंदिर, साहिबाबाद (उ. प्र.) में विद्या भारती पश्चिमी उ.प्र., मेरठ प्रांत की चार दिवसीय गणित कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन विद्या भारती के अ. भा. संगठन मंत्री श्री काशीपति जी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री डोमेश्वर साहू व प्रांतीय संगठन मंत्री श्री तपनकुमार जी ने किया। यह कार्यशाला दिनांक 01 से 04 अगस्त 2019 तक संचालित रही। इस कार्यशाला में प्रांत के 25 शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने भाग लिया। कार्यशाला में डॉ. पी. सत्यनारायण शर्मा, डॉ. पी. आनंदम तथा राहुल मांझी (सभी गणित विषय विशेषज्ञ) का विशेष मार्गदर्शन मिला।

कार्यशाला के समापन समारोह के मुख्य अतिथि श्री एस. के. सिन्हा (महाप्रबंधक, एन.टी.पी.सी.) ने भी अपने विचार व सुझाव व्यक्त किए। अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री काशीपति जी ने विद्यालय स्तर पर ऐसी कार्यशाला आयोजित करने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य गणित विषय को रुचिकर बनाना एवं करके सीखना एवं नए-नए प्रयोग करना है। कार्यशाला संयोजक श्री राहुल मांझी एवं डॉ. पी. आनंद ने गणित विषय को रुचिकर एवं सरल कैसे बनाया जाए, इस विषय पर विस्तार से चर्चा किया।

चित्तौड़ के पूर्व छात्रों की बैठक

विद्या भारती चित्तौड़ द्वारा संचालित पूर्व छात्र परिषद् चित्तौड़ प्रांत की एक बैठक विद्या भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्री काशीपती जी के सान्निध्य में रविवार को विद्या निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय चित्तौड़ में सम्पन्न हुई। बैठक में राजस्थान के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री शिव प्रसाद जी, प्रांत संगठन मंत्री श्री गोविन्द कुमार, अध्यक्ष श्री रामप्रसाद जी, सचिव श्री गोपाल जी का भी पूर्व छात्रों को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

बैठक के प्रारंभ में उदयपुर जिला के संयोजक डॉ. जिनेन्द्र शास्त्री ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। प्रांत संयोजक डॉ. विक्रम मनेरिया ने दूसरे की अध्यक्षता की। बैठक में अनेकों पूर्व छात्र सम्मिलित हुए।

राष्ट्र निर्माण में सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों की अहम भूमिका

-स्वामी जितेन्द्रानंद सरस्वती

शिवपुरी के सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय में 'राष्ट्र निर्माण में संत समाज की भूमिका' जैसे विषयों पर व्याख्यान एवं प्रवचन देने वाले राष्ट्रीय संत परम पूज्य श्री जितेन्द्रानंद सरस्वती जी, राष्ट्रीय महामंत्री, अखिल भारतीय संत समिति ने अपना व्याख्यान दिया।

स्वामी जी ने अपने व्याख्यान में श्रीराम के छात्र जीवन के विभिन्न पुष्पों को पिरोते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति, संस्कारों की संस्कृति है, हमारे भारत के आदर्श पुरूष ही आज के आचरण स्त्रोत हैं, समय की महिमा केवल भारत में ही है। भारत भूमि पवित्र एवं महान है। गुरु के पास जाकर विद्या प्राप्त करने का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए श्री जितेन्द्रानंद जी ने कहा कि प्रभू श्री राम जी अपने गुरु जी के आश्रम में विद्या प्राप्त करने के लिए गए और अल्प समय में ही सभी विद्याएँ सीख ली।

सरस्वती विद्यापीठ आवासीय विद्यालय आधुनिक युग का एक गुरुकुल है जहाँ छात्रों को राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। यहाँ के छात्र राष्ट्र निर्माण के लिए सदैव अपना सहयोग प्रदान करते हुए अपने जीवन को सच्चा देशभक्त कहलाने का गौरव प्राप्त करते हैं।

छात्रों की अपने गुरु के प्रति श्रद्धा होना अति आवश्यक है। विनोदात्मक शैली का प्रयोग करते हुए गुरु के प्रति श्रद्धा के अनेक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि जब हम गुरुजी के पास जाकर विद्या प्राप्त करते हैं तो शिक्षा के स्वत: ही संस्कार व सद्गुण आ जाते हैं।

स्वामी श्री का स्वागत श्री पवन शर्मा (प्राचार्य) एवं ज्ञान सिंह कौरव (विद्यालय प्रबंधक) ने किया। कार्यक्रम के अंत में श्री ज्ञान सिंह कौरव ने आए हुए आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया।

बच्चों के भविष्य निर्माण में पालकों के आचरण की महत्वपूर्ण भूमिका है

- संत श्री अतुलकृष्ण जी

विद्या भारती विद्वत परिषद्, इंदौर एवं सी.ए. इन्स्टीट्यूट जिला इंदौर के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित कार्यक्रम ''बच्चों के भविष्य निर्माण में अभिभावकों की भूमिका'' विषय पर प्रसिद्ध संत एवं शिक्षाविद् श्री अतुलकृष्ण जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि बच्चों की शिक्षा और उनके व्यक्तित्व की नींव माँ के गर्भ में ही पड़ जाती है। यहीं से उनका भविष्य निर्माण शुरु हो जाता है। बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण पर यह विचारोत्तेजक व्याख्यान संत श्री अतुलकृष्ण जी ने दिनांक 04 अगस्त 2019 को इंदौर में दिया। उन्होंने भारतीय परंपरा के अनुरूप बच्चों की परवरिश पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति में वे सारे गुण हैं जो बच्चों को जिम्मेवार बनाए। उन्होंने आगे कहा कि बच्चों के विकास में मां की भूमिका महत्वपूर्ण है क्योंकि मां ही बच्चों की पहली गुरु होती है।

संत श्री अतुल जी ने कैरियर के लिए वर्तमान प्रतिस्पर्धा को निशाना बनाते हुए कहा कि माता-पिता अपने सपनों को बच्चों पर थोप रहें हैं और उनकी इच्छा और रुचि के विरूद्ध उनको पेशा अपनाने के लिए विवश कर रहें हैं। इसके भयावह परिणाम सामने आ रहें हैं। उन्होंने अभिभावकों से बच्चों की पसन्द और उनके व्यक्तित्व के अनुरूप विषय चुनने और पेशा अपनाने के लिए निवेदन किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्या श्रीमती पुनीता नेहरु ने अभिभावकों से कहा कि वे बच्चों पर किसी तरह का दबाव ना डालें और केवल अच्छी शिक्षा दें। श्रीमती नेहरु ने कहा कि आज संस्कारित बच्चें मंहगे स्कूलों से नहीं बल्कि सरस्वती शिशु मंदिरों से निकल रहें हैं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सी.ए. इन्स्टीट्यूट की सेंट्रल काउंसिल सदस्या श्रीमती कैमिशा सोनी ने श्री अतुलकृष्ण जी के विचारों का समर्थन करते हुए कहा कि उन्होंने जीवन के बड़े से बड़े अनुभव अपनी मां से ही सीखे हैं। यही कारण है कि उन्होंने बच्चे के जन्म के बाद अगले दस साल तक अपने बच्चे की परवरिश अपने पेशे से दूरी बनाकर की ताकि बच्चे का सही विकास हो सके।

कार्यक्रम के अंत में सी.ए. इन्स्टीट्यूट के अध्यक्ष श्री पंकज शाह ने आभार व्यक्त किया।

स्वच्छता से अनेक रोगों से मुक्ति

'कार्य को संकल्पित भाव से किया जाए तो सफलता अवश्य मिलती है। इसके लिए दृढ़ इच्छा शक्ति का होना अतिआवश्यक है। स्वच्छता का ध्यान रखकर हम अनेक प्रकार के रोगों से मुक्ति पा सकते हैं। एक निरोग व्यक्ति ही देश की सेवा भली-भांति कर सकता है। इसके लिए हमें दैनिक क्रियाकलाप में अच्छी आदतों का समावेष करना चाहिए।' उक्त बातें केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली द्वारा निर्देषित ''स्वच्छ भारत, स्वच्छता पखवाड़ा'' कार्यक्रम के अन्तर्गत सरस्वती विद्या मंदिर, मुंगेर में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ. प्राणमोहन केसरी ने कही।

डॉ. कविता वर्णवाल ने कहा कि स्वच्छता हमारे दैनिक जीवन का आवश्यक अंग है। स्वस्थ व्यक्ति न केवल अपना भला करते हैं बल्कि समाज और देश के विकास में भी अपना सहयोग देते हैं। प्रधानाचार्य नीरज कुमार कौशिक ने बच्चों की सामान्य बीमारियों की चर्चा करते हुए डॉक्टरों से शंका समाधान में छात्र-छात्राओं की मदद की।

छात्र-छात्राओं एवं समस्त शिक्षकों ने हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के प्रति समर्पित भाव से कार्य करने का संकल्प लिया।

प्रांत स्तरीय बैडमिंटन एवं टेबल-टेनिस प्रतियोगिता सम्पन्न

आदर्श विद्या मंदिर उच्च माध्यमिक विद्यालय, भीनमाल में विद्या भारती द्वारा आयोजित प्रांत स्तरीय बैडमिंटन एवं टेबल-टेनिस प्रतियोगिता सम्पन्न हुई। खेलकूद प्रतियोगिता के प्रभारी मनोहरलाल सोलंकी ने बताया कि यह प्रतियोगिता दो चरणों में सम्पन्न हुई। समापन समारोह में विद्या भारती जोधपुर प्रांत के अध्यक्ष डॉ श्रवण कुमार मोदी, जिला कोषाध्यक्ष श्री रतनलाल अग्रवाल, अध्यक्ष श्री बालूराम चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि श्री अजय देवासी मंचासीन रहे।

समारोह को सम्बोधित करते हुए श्री अजय देवासी ने कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए। खेल के माध्यम से शारीरिक शक्ति की पहचान होती है। खेल से व्यक्ति आगे बढ़ पाता है। इस अवसर पर अध्यक्ष श्री बालूराम चौधरी ने कहा कि बालक के श्रम की वास्तविक पहचान खेल के द्वारा होती है। खेल व्यक्तिगत जीवन में उपयोगी है। शरीर के साथ मन को भी खेल के माध्यम से शुद्ध रखा जाता है।

डॉ. श्रवण कुमार मोदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि विद्यार्थी जीवन में खेल का सर्वाधिक महत्त्व होता है। इस अवसर पर विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया गया।

मातृशक्ति का आह्वान

बालकों के सर्वांगीण विकास को गति प्रदान करने के लिए उनकी प्रथम गुरु मातृ-शक्ति के साथ संवाद की योजना के अन्तर्गत दिनांक 06 सितम्बर 2019 को मातृ-भारती के गठन का आयोजन ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर, सिविल लाइन्स, प्रयाग में किया गया। जिसमें लगभग 200 की संख्या में मातृ-शक्तियों ने सहभाग किया।

कार्यक्रम का आरम्भ विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री युगल किशोर मिश्र ने अतिथिओं का परिचय कराते हुए कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. अर्चना चहल (विभागाध्यक्ष शारीरिक विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय), अध्यक्ष के रूप में काशी प्रान्त के प्रान्त संगठन मंत्री डॉ. राम मनोहर जी तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय हिन्दी विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुरभि त्रिपाठी विद्यमान रहीं।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ने मातृ-भारती की अध्यक्ष के रूप में श्रीमती श्वेता टण्डन का नाम प्रस्तावित किया गया जिसे सर्वसम्मति से सभी मातृ-शक्तियों ने स्वीकार किया। मातृ-भारती की अध्यक्षा ने कार्यकारिणी के पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि 'कहा जाता है कि बालक की शिक्षा का शुभारम्भ जन्म के बाद माँ के द्वारा ही होता है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में माँ एक अनमोल रतन के रूप में होती हैं। जिनके बारे में शब्दों में बयाँ नहीं किया जा सकता। ऐसा कहा जाता है कि भगवान हर किसी के साथ नहीं रह सकता, इसलिए उसने माँ को बनाया।'

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे प्रान्त संगठन मंत्री ने अपने अध्यक्षीय आशीर्वचन में कहा कि आज इस मातृ भारती गठन कार्यक्रम के द्वारा मातृ-शक्ति का आह्वाहन किया गया है, जिसके माध्यम से हम सबको घर से बाहर निकलकर इस जनजागरण के माध्यम से समस्त माताओं को जागृत करना होगा कि सम्पूर्ण समाज की जन्मदायिनी आप हैं।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि ने अपन उद्बोधन में कहा कि आज समाज में चारो तरफ दुराचरण, हिंसा, स्वार्थपन, अकर्मण्यता, आलस्य, प्रमाद आदि की जो समस्या फैली हुई है, उस सबसे निजात पाने के लिए माँ को अपने शिशु के अन्दर उसी भावों से युक्त शिक्षा प्रदान करनी होगी।

मनाया गया 'कारगिल विजय दिवस'

जिला प्रचार प्रमुख श्री अजय सिंह के अनुसार जोधपुर जिले में 16 स्थानों पर कारगिल विजय दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें ओसियां में (रिटायर्ड फौजी) पूर्व सैनिक श्री याम चम्पाणी ने अपने बौद्धिक देते हुए कहा कि मैंने अपने जीवन में पहली बार देखा कि आदर्श विद्या मंदिर में इस तरह के दिवस मनाते हैं। मैं अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहा हूँ। वहीं शेरगढ़ में कारगिल लड़ाई लड़ने वाले अन्य फौजी भी मौजूद रहे। तिंवरी विद्यालय में भव्य कार्यक्रम कर भूतपूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया।

इस कार्यक्रम के लिए पूरे शहर में झाँकियों (फौजियों के गणवेष में) के माध्यम से रैली निकाली गयी। 10 विद्यालयों में 'थार के वीर' नामक टेली फिल्म (भारतीय सेना के कार्यक्रम) प्रोजेक्टर के माध्यम से दिखाया गया। सम्पूर्ण जिले से 6392 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

'ठुकरा दी सरकारी नौकरी, चलाना है विद्या भारती का विद्यालय'

जम्मू-कश्मीर का सुदूर दुर्गम पहाड़ी क्षेत्र लद्दाख के कारगिल जिले के झंस्कार घाटी का अबरन गाँव, जहाँ पर जम्मू से सड़क मार्ग से जाने में तीन दिन लगते हैं तथा लद्दाख के लेह शहर से दो दिन लगते है, वहाँ पर विद्या भारती का कक्षा 8 तक का विद्यालय चलता है। जिसके प्रधानाचार्य हैं श्री कोनचुग जी। विद्यालय का परीक्षा परिणाम इतना उत्तम कि कक्षा आठवीं में पढ़ने वाले सात छात्र जिले में पहले सातों स्थान प्राप्त करते हैं। प्रधानाचार्य श्री कोनचुग को सरकारी शिक्षक बनने के लिए जिला शिक्षा अधिकारी ने दो बार सम्पर्क किया, परन्तु कोनचुग ने यह कहते हुए उनके प्रस्ताव को ठुकराया कि – मैं अगर सरकारी शिक्षक बन गया तो यह विद्यालय कौन संभालेगा, मैं इस विद्यालय को चलाने के लिए वचनबद्ध हूँ। सरकारी शिक्षक बनने पर उनको प्रति माह लगभग 45 हजार रुपये वेतन मिलता और इस विद्यालय में मात्र दस हजार प्रति माह।

इस विद्यालय के लिए भूमि गाँव वालों ने दी है, भूमि का समतलीकरण भी गाँववालों ने अपने श्रम से किया। इस पूरे क्षेत्र में साल के छः महीने बर्फ रहती है और भवन की छत से बर्फ हटानी पड़ती है। गाँव वाले पहले विद्यालय भवन की छत से बर्फ हटाते हैं, उसके बाद ही अपने घरों की छत से बर्फ हटाते हैं। विद्या भारती पूरे भारत में ऐसे ही लोगों के आधार पर चल रही है। धन्य है विद्या भारती, जो ऐसा वातावरण बनाती है!

प्रदीप कुमार, संगठन मंत्री

संस्कृति शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र को संस्कृति मंत्रालय का लोगो प्राप्त

भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय ने विद्या भारती संस्कृति संस्थान को पत्र जारी कर अपने लोगो प्रयोग करने की अनुमति प्रदान की है। इस लोगो का प्रयोग, संस्कृति शिक्षा संस्थान देश भर में आयोजित किए जाने वाले अपने विभिन्न प्रकार की कार्यशाला आदि में कर सकेगा। केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने संस्थान के कार्यों को मान्यता देते हुए यह अनुमति दिलाई है। संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने इस उपलब्धि पर केन्द्रीय मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल का आभार व्यक्त किया।

भाऊराव देवरस सभागार का लोकार्पण

भारतीय शिक्षा समिति जम्मू कश्मीर द्वारा संचालित भारतीय विद्या मंदिर, अंबफला में 27 जुलाई 2019 को भाऊराव देवरस सभागार के लोकार्पण का कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर मा. डॉ. इन्द्रेश कुमार जी (सदस्य राष्ट्रीय कार्यकारिणी रा. स्व. संघ) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। साथ ही '20वाँ कारगिल विजय दिवस' भी मनाया गया। कार्यक्रम में जम्मू के पुँछ लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्री जुगल किशोर शर्मा जी, श्री बाल किशन जी (सह संगठन मंत्री, विद्या भारती उत्तरक्षेत्र), श्री राम लाल शर्मा (संरक्षक भा. शि. स. जम्मू कश्मीर), अध्यक्ष श्री वेद भूषण शर्मा जी, प्रांत संगठन मंत्री श्री प्रदीप कुमार जी सहित शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में कारगिल युद्ध में शहीद हुए वीर उदयमान सिंह की माता जी श्रीमती कांता देवी जी को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों का भी सम्मान किया गया। सांसद श्री जुगल किशोर शर्मा जी ने सांसद निधि से 30 लाख रुपये का सहयोग किया। विद्या भारती जम्मू कश्मीर के विद्यालयों के सहयोग हेतु और 50 लाख की राशि सांसद निधि से देंगे।

मा. इन्द्रेश जी ने अपने संबोधन में विद्या भारती जम्मू कश्मीर के सभी कार्यकर्त्ताओं को उत्कृष्ट कार्य हेतु मंगल कामनाएँ भी दी और कहा कि अपने विद्यालय धीरे-धीरे साधनयुक्त हो रहे हैं यह सराहनीय है। उन्होंने कहा कि नैतिक शिक्षा की इस समय परम आवश्यकता है।

अंत में श्री बाल किशन जी ने अपने संबोधन में विद्या भारती के लक्ष्य एवं कार्य की संक्षिप्त जानकारी से सबको अवगत कराया।

सिक्किम की कार्यकारिणी समिति की बैठक

विद्या भारती सिक्किम की कार्यकारिणी समिति की बैठक दिनांक 24 अगस्त 2019 को प्रांतीय कार्यालय तादोंग में सम्पन्न हुआ। बैठक में प्रांतीय संयोजक श्री मोहन शर्मा ने छात्रवृत्ति कार्यक्रम, शारीरिक वर्ग, क्षेत्रीय बैठक , क्षेत्रीय बालिका शिक्षा कार्यशाला तथा कार्यालय सचिव श्री सूर्य धिताल ने पाठशाला निर्माण कार्य, स्वतंत्रता दिवस, रक्षा बंधन कार्यक्रम, विद्यालय पंजीकरण एवं वर्तमान स्थिति, संस्कार केन्द्र तथा अन्य विषयों के विवरण प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रांतीय मंत्री श्री विजय कुमार धिताल ने कार्यालय हेतु कार्यकर्ता, कम्प्यूटर एवं अन्य सामग्री, संस्कार केन्द्र आदि विषय तथा कोषाध्यक्ष श्री प्रमोद अग्रवाल ने प्रांत के वार्षिक वजट (2019-20) एवं वर्ष 2018-19 का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया। इसके अतिरिक्त बैठक में राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक, अधिकारी वर्ग का प्रवास, परीक्षा, क्षेत्रीय खेलकूद, आचार्य प्रशिक्षण आदि विषयों के बारे में चर्चा हुआ। इस बैठक में आगामी 22 सितम्बर 2019 को विद्या भारती सिक्किम का वार्षिक आम सभा का आयोजन करने का निर्णय लिया गया। बैठक को सम्बोधित करते हुए मार्गदर्शक श्री दिनेश नेपाल एवं श्री छुलटीम भूटिया ने विद्या भारती की लक्ष्य, उद्देश्य और भावी कार्यक्रम के विषय में बताया।

ई-शिक्षा कार्यशाला सम्पन्न

विद्या भारती शिक्षा संस्थान, जोधपुर प्रांत एवं उत्कर्ष प्रतियोगी संस्थान के संयुक्त तत्त्वावधान में शिक्षा जगत डिजिटल शिक्षा का पायलट प्रोजेक्ट से संबंधित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन पाँचवी रोड, राजामोहन टॉवर स्थित उत्कर्ष क्लासेज में सम्पन्न हुई।

विद्या भारती के प्रांतीय सचिव श्री महेन्द्र कुमार दवे ने बताया कि डिजिटल शिक्षा की कार्यशाला में प्रांत श्रीगंगानगर, बीकानेर, नागौर, जोधपुर, पाली, सिरोही, बालोतरा व बाड़मेर जिलों के 11 विद्या मंदिरों ने भाग लिया। इन विद्यालयों को उत्कर्ष संस्थान के प्रबंध निदेशक श्री निर्मल गहलोत द्वारा सभी विद्यालयों के लिए 50 इंच का एल.ई.डी., सी.पी.यू., ऑडियो विजुअल वेब कैमरा, एच. डी. केवल व ऑनलाईन कोर्स के लिए सॉफ्टवेयर दिया गया।

उत्कर्ष संस्थान के प्रबंध निदेशक श्री निर्मल गहलोत ने बताया कि 26 अगस्त से जोधपुर के 11 श्रेष्ठ विद्यालयों में विज्ञान वर्ग के छात्रों को उत्कर्ष स्टूडियो में राजस्थान के प्रमुख विषय विशेषज्ञों द्वारा ई-कक्षा (लाईव क्लास) लिए जाएंगे, जिनका इन विद्यालयों में सीधा प्रसारण किया जाएगा। इससे विद्यालय के भैया-बहिन व शिक्षक देख सुन व प्रश्न भी पूछ सकेंगे। लाईव शो के बाद ई-उत्कर्ष एप्प में व्याख्यान (लेक्चर) विडियो के रूप में उपलब्ध रहेगी। इससे विद्यार्थी अपने घर पर भी कई बार देखकर अपना रिवीजन कर सकता है। कक्षा 11 व 12 वीं विज्ञान वर्ग की सभी पुस्तकें व नोट्स स्मार्ट ई-बुक के रूप में ई-उत्कर्ष एप्प में देखा जा सकेगा। प्रत्येक विषय के प्रत्येक टॉपिक पर ऑनलाईन टेस्ट होगा। टॉपर्स को प्रोत्साहित भी किया जाएगा।

विद्या भारती के प्रांतीय निरीक्षक श्री गंगा विष्णु विष्णोई ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

राजकीय प्रतिभा सम्मान समारोह

28 जुलाई 2019 को श्री गोवर्धन सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज धर्मपुर, देहरादून में विद्या भारती उत्तराखण्ड द्वारा संचालित विद्यालयों के मेधावी छात्र-छात्राओं को उत्तराखण्ड बोर्ड परीक्षा 2019 में वरीयता सूची में स्थान प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया।

इस समारोह का उद्धाटन के मुख्य अतिथि मा. अरविन्द पाण्डेय (मंत्री- विद्यालयी शिक्षा, संस्कृत शिक्षा, खेल एवं युवा कल्याण और पंचायती राज उत्तराखण्ड) ने दीप प्रज्जवलन कर किया। इस अवसर पर विद्या भारती उत्तराखण्ड के मंत्री डॉ. रजनीकांत शुक्ल जी ने विद्या भारती का व्यापक परिचय देते हुए कहा कि विद्या भारती उत्तराखण्ड में विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के सर्वांगीण विकास को आधार बना कर कार्य कर रही है। आज हमारे विद्यालयों के छात्र-छात्राएं मात्र शिक्षा के क्षेत्र में ही नहीं अपितु अन्य क्षेत्रों में भी आगे बढ़ रहे हैं। उत्तराखण्ड बोर्ड ने प्रदेश के वरीयता सूची में स्थान प्राप्त करने वाले 171 छात्र-छात्राओं को इस समारोह में सम्मानित किया।

विद्या भारती के सभी विद्यालयों के परीक्षा परिणाम का विश्लेषण किया गया तो पाया कि हाई स्कूल की वरीयता सूची में टॉप 25 में 219 विद्यार्थियों में से 119 विद्या भारती के छात्र हैं। जबकि इण्टरमीडिएट की वरीयता सूची में टॉप 25 में 100 विद्यार्थियों में से 52 छात्र विद्या भारती के हैं। हाई स्कूल की वरीयता सूची में सरस्वती विद्या मन्दिर, नथुवावाला देहरादून की छात्रा अनन्ता सकलानी ने 99 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। वहीं इण्टरमीडिएट की वरीयता सूची में सरस्वती विद्या मन्दिर चिन्यालीसौंड, उत्तरकाशी की सताक्षी तिवारी ने 98 प्रतिशत अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वरीयता सूची में टॉप 10 में उच्च माध्यमिक विद्यालयों के 21 में से 18 विद्यार्थी विद्या भारती स्कूल के हैं एवं इण्टरमीडिएट की वरीयता सूची टॉप 10 में 7 विद्यार्थी विद्या भारती स्कूल के हैं।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अरविन्द पाण्डेय (शिक्षा मंत्री उत्तराखण्ड) ने अपने संबोधन में कहा कि विद्या भारती द्वारा संचालित विद्यालय, विद्यार्थियों को संस्कारयुक्त एवं मूल्यपरक शिक्षा देने के साथ-साथ शिक्षा क्षेत्र में टॉपर की एक श्रृंखला भी तैयार कर रहा है। आज देश के अनेकों बड़े व मुख्य पदों पर इन संस्थाओं में पढ़े विद्यार्थी संस्कार एवं ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए देश को आगे बढ़ाने में अपना योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में आज विद्वानों के साथ-साथ अनुशासित लोगों की भी आवश्यकता है, जिसके निर्माण का कार्य विद्या भारती कर रही है।

विद्यालय के विकास में प्रबंध समिति की अहम् भूमिका

-शिवप्रसाद

स्थानीय श्रीमती केसर देवी सोती उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर, चूरू (राज.) में विद्या भारती संस्थान जयपुर के 'प्रान्तीय प्रबंध समिति कार्यकर्त्ता सम्मेलन' का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्घाटन विद्या भारती राजस्थान के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री शिव प्रसाद, लोहिया कॉलेज से सेवानिवृत्त प्रोफेसर श्री एल.एन. आर्य और विद्या भारती जयपुर प्रांत के अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार भुवालका ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम में श्री शिवप्रसाद जी ने अपने विचार रखते हुए बताया कि विद्या भारती के लक्ष्यानुरूप बालकों का निर्माण हो सके, इस हेतु विद्या भारती के आधारभूत विषयों की क्रियान्विति, योग्य आयार्यो का चयन व विद्यालय की भौतिक सुविधाओं पर हमें गम्भीरतापूर्वक चिन्तन करना चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे श्री एल.एन. आर्य ने भी अपने विचार रखते हुए बताया कि भाषा व्यक्ति की संवेदनाओं को व्यक्त करने का माध्यम है। अतः हमें तीनों भाषाओं को सुदृढ़ करना होगा। अन्तर्राष्ट्रीय भाषा, राष्ट्रीय भाषा एवं मातृभाषा। इस सम्मेलन में 12 जिलों से 350कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया।

Vidya Bharati Alumni Selected to Assist Indian Prime Minister

Vidya Bharti alumni, Flight lieutenant Mansi Geda was selected to assist Prime Minister Shri Narendra Modi during the 'Independence Day Ceremony' 2019. She was honored by her school for her acheivement. Mansi Geda is an alumni of Saraswati Shishu Mandir Higher Secondary School, Katni in Madhya Pradesh

Vidya Bharati's Janjati Siksha Samiti, Nagaland, distributed 1230 necessary educational kits to needy children in Gov. Schools in 23 villages of Nagaland.

JSSN distributes 1230 educational kits to govt schools

DIMAPUR, AUGUST 18 (MExN): Janjati Shiksha Samiti, Nagaland (JSSN) distributed 1230 educational kits (school bag, Geometry box, pencil box) to students within 23 villages in 24 government primary schools/government middle schools of Kiphire, Mon, Longleng, Tuensang, Mokokchung, Peren and Dimapur districts under the permission of Director of Education.

A press release from its Publicity Department stated Janjati Shiksha Samiti, Nagaland is a society registered Socio-Educational organization and running formal and non-formal institutions in Nagaland.

JSSN organizing secretary Pankaj Sinha and Executive member Lanuwapang Tzudir visited 5 villages of Kiphire district, 4 villages of Mon district, 5 villages of Longleng district, 5 villages of Tuensang district, 2 villages of Mokokchung district and one village each of Peren and Dimapur district from July 21 to August 7 and distributed educational kit to every student.

JSSN members with village leaders, teachers and GB during the visitation of government schools across the state. (Photo Courtesy: JSSN)

The Area education officers guided JSSN team along with the villagers.

Appreciating their selfless service, the teachers and SMC Chairman along with GB said that it was the first time, an NGO team visited GPS/GMS and distributed school kit without help from government, the release added.

In every school the team sat together with teaching staff and discussed on what should be the positive mentality of a teacher.

Addressing that the teachers should develop a mentality of honesty, and that it was our own work not government's work. The teachers should develop the techniques for an ideal teaching-learning process from time to time through teachers training.

The organizing secretary motivated the GPS/GMS institutions to develop or build like a private education institution. Why the children of officers, ministers, rich persons etc cannot take admission in GPS/GMS.

The team encouraged the teachers that they would together produce advanced and better students from the GPS/GMS institutions through different type of competitions, games & sports.

विद्याभारती संकुल संवाद
Date of publishing : 20 September, 2019
Total No. of Pages : 8
RNI No. : DELBIL/2005/15122
D.L. No. : DL (S)-01/3362/2019-21
Date of Posting -24-25 September, 2019

श्रद्धांजलि

श्रद्धेय स्वामी सत्यमित्रानंद जी

अध्यात्म जगत के पुरोधा स्वामी सत्यमित्रानंद जी का जन्म 18 सितम्बर 1932 को आगरा में हुआ। उनके पिता का नाम श्री शिवशंकर पांडे और माता का नाम श्रीमती त्रिवेणी देवी था।

शिक्षा पूर्ण कर स्वामी वेदव्यासानंद जी का शिष्यत्व ग्रहण कर वे सन्यस्त हुए। उनका नाम स्वामी सत्समित्रानंद हुआ। वे केवल 27 वर्ष की अवस्था में ज्योर्तिमठ के जगद्गुरु शंकराचार्य बने। 1969 में शंकराचार्य पद से मुक्त होकर सनातन धर्म कें आदर्शों पर चलते हुए आध्यात्मिकता, समाज और मानवता की सेवा में अपना पूर्ण जीवन लगाया। उक्त आदर्शों के प्रचार-प्रसार के लिए अनेक देशों का भ्रमण भी आपने किया।

हरिद्वार में देवापगा गंगा के किनारे भारत माता को समर्पित भारतमाता मंदिर उनकी अक्षय कीर्ति का स्तंभ है। 25 जून 2019 को उनका देहावसान हुआ।

श्री दामोदर गणेश बापट जी

श्री दामोदर गणेश बापट जी समाज में अछूत माने गए कुष्ठ रोगियों की सेवा में जीवन अर्पित करने वाले कर्मठ व परिश्रमी समाजसेवी थे। आपका जन्म महाराष्ट्र के अमरावती जिले के दरियापुर तहसील के पथरोट नामक गाँव में 29 अप्रैल 1935 को हुआ। आपके पिता श्री गणेश विनायक बापट रेलवे में कार्य करते थे। आप बी.ए. व बी.कॉम. की शिक्षा के पश्चात् अनेक जीविकोपार्जन के कार्य किए। 35 वर्ष की आयु से आप सन् 1972 में सदाशिव गोविन्द कात्रे के सान्निध्य में भारतीय कुष्ट निवारक संघ के चाँपा स्थित केन्द्र में एक कार्यकर्ता के रूप में कार्य करने लगे।

सचिव के रूप में आपने इस संस्थान को बहुआयामी स्वरूप प्रदान किया। आर्थिक रूप से समृद्ध समाजसेवी बन्धुओं से सम्पर्क कर संस्था के द्वारा कुष्ट रोगियों के उपचार के पश्चात् पुनर्वास के कार्य को बढ़ाने में लगे। इस हेतु शिक्षा, स्वास्थ्य व स्वानंबन के अनेक कार्य प्रारम्भ किए एवं सामाजिक जागरण हेतु भारतीय संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रमों का आयोजन करवाए।

आपके नेतृत्व में भारतीय कुष्ट निवारक संघ को अनेक पुरस्कार व सम्मान प्राप्त हुए। आपके द्वारा सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य व कुष्ट रोगियों के पुनर्वास के कार्य हेतु सन् 2018 में भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया। दिनांक 04 अगस्त 2019 को भारतीय कुष्ट निवारक आश्रम, चाँपा में आपका निधन हुआ।

श्री ओमप्रकाश जी

श्री ओमप्रकाश जी का जन्म 17 जुलाई 1927 को हरियाणा में हुआ। आपके पिता का नाम श्री कन्हैया लाल और माता जी का नाम श्रीमती गेंदी देवी था। मथुरा में उनकी शिक्षा हुई। 1947 में वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक बने। विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते हुए उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रचारक के महत् दायित्व का निर्वाह उन्होंने किया। वे अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख, अखिल भारतीय गौ सेवा प्रमुख भी रहे। जीवन भर कठिन समाजसेवा के कठिन व्रत का पालन किया। देहावसान के बाद उन्होंने अपनी देह चिकित्सकों के भावी पीढ़ी के ज्ञानार्जन के लिए मेडिकल कॉलेज को दान दी।

श्री अरुण जेतली जी

श्री अरुण जेतली जी का जन्म 28 दिसंबर 1952 को हुआ। उनके पिता का नाम स्व. महाराज किशन जेतली एवं माता का नाम श्रीमती रतनप्रभा था।

दिल्ली विश्वविद्यालय से कॉमर्स स्नातक एवं विधि का अध्ययन करते हुए वे छात्र राजनीति में सक्रिय हुए। 1974 में वे दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ के अध्यक्ष बने।

भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य, अटल बिहारी वाजपेयी सरकार में सूचना प्रसारण मंत्री, कानून, न्याय और कंपनी मामलों के मंत्री, वाणिज्य और उद्योग मंत्री, राज्य सभा में विपक्ष के नेता रहे। नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में पहले रक्षा मंत्री और फिर वित्त मंत्री के रूप में उनका काम अत्यंत प्रभावशाली रहा। वित्त मंत्री के रूप में भ्रष्टाचार, कालाधन, नकली मुद्रा पर अंकुश और विमुद्रीकरण उनके दूरगामी फैसले रहे। 23 अगस्त 2019 को उनका देहांत हुआ।

श्रीमती सुषमा स्वराज जी

श्रीमती सुषमा स्वराज जी का जन्म 14 फरवरी 1952 को हरियाणा में श्री हरदेव शर्मा तथा श्रीमती लक्ष्मी देवी के घर हुआ था। उन्होंने पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से विधि की शिक्षा प्राप्त की। 1973 से श्रीमती स्वराज ने भारतीय सर्वोच्च न्यायालय में अधिवक्ता रहीं।

आपात्काल के समय उन्होंने जयप्रकाश नारायण के संपूर्ण क्रांति आंदोलन में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

हरियाणा सरकार में कैबिनेट मंत्री व भारत सरकार में सूचना और प्रसारण मंत्री, स्वास्थ्य, परिवार कल्याण मंत्री और संसदीय कार्य मंत्री के दायित्व का निर्वाह किया। 15वीं लोकसभा में श्रीमती सुषमा स्वराज विपक्ष की नेता बनी। संसद में सर्वश्रेष्ठ सांसद का पुरस्कार पाने वाली पहली महिला एवं दिल्ली की पहली महिला मुख्यमंत्री होने का गौरव उन्हें मिला।

सेवा में

प्रकाशक एवं मुद्रक : श्री ललित बिहारी गोस्वामी, महामंत्री, विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग, नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065, के लिए हिन्दुस्तान ऑफसेट प्रेस, ए-26, नारायणा इण्डस्ट्रीयल एरिया, फेस-2, नई दिल्ली-110028 से मुद्रित एवं विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, प्रज्ञा सदन, गो.ला.त्रे. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, म.गाँ. मार्ग नेहरू नगर, नई दिल्ली-110065 से प्रकाशित। **संपादक :** श्री ललित बिहारी गोस्वामी, फोन : 011-29840013